SEM-3, Se-302, By Dr. Shyam Bihari Choudhary

classmate Date 22.10.20 Page 1

TOPIC- BAD EFFECT OF AIR POLLUTION

वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव

वायु प्रदूषण का दुष्प्रभाव जीवमण्डल के सभी घटकों पर पड़ता है। इसका प्रभाव स्थानीय क्षेत्रीय तथा विश्वव्यापी होता है। मोटे तौर पर वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों को निम्न वर्गों में बाँट सकते हैं।

वायु प्रदूषण का सर्वाधिक दुष्प्रभाव मानव के श्वसन तंत्र पर पड़ता है। वायु में उपस्थित हानिकारक कणिकाएँ साँस लेने के साथ ही फेफड़ो तथा रक्त के साथ मिलकर विभिन्न रोग फैलाती है। इससे श्वसन नली व फेफड़ों में जलन, छाती मे अकड़न, गले मे खरास, साँस लेने मे असुविधा आदि शिकायतें होती हैं। जैसे ब्रोंकाइटिस, सिलिकोसिस, अस्थमा, टी.बी., निमोनिया, नजला, फेफड़ों का कैंसर आदि हो जाते हैं।

श्वास रोगों के अतिरिक्त मधुमेह, हृदय रोग, कैंसर आदि रोग भी वायु में सल्फर डाइ ऑक्साइड तथा नाइट्रोजनडाइ-ऑक्साइड की अधिकता हो जाने पर हो जाते हैं। वाहनों से निकलने वाले धूएं मे उपस्थित सीसा के कण शरीर मे आने पर यकृत व आहार नाल को क्षति, हड्डियों को गलाना, स्त्रियों मे गर्भपात तथा बच्चों मे मस्तिष्क विकार जैसे रोग उत्पन्न करते हैं। भारी धातुओं के कण मानव के शरीर में प्रविष्ट होने पर हृदय